B.M.A COLLEGE , BAHERI,DARBHANGA
(A CONSTITUENT UNIT OF LNMU)
BA DEGREE-1
HISTORY
SUB./GEN
UNIT-2(II)
DEPARTMENT OF HISTORY
PANKAJ KR.MISHRA
DATE-16/09/2020

TOPIC- शुंग- राज्य का महत्व

(IMPORTANCE OF THE SUNGA RULE:187-151BC)

PART-5

Scanned with CamScanner

शुंग राज्य का महत्व

प्राचीन भारतीय इतिहास, धर्म और कला के क्षेत्र में शुंग शासन का एक विशिष्ट स्थान है। शुंगों ने मौर्य-साम्राज्य के विघटन के पश्चात् पुनः राजनीतिक एकीकरण एवं स्थायित्व कायम करने का प्रयास किया। पुष्यमित्र शुंग इस प्रयास में कुछ सीमा तक सफल भी हुआ। उसने मौर्य-साम्राज्य के अवशेषों पर एक ऐसे राज्य की स्थापना की, जो उसकी मृत्यु के पश्चात् भी अगली शताब्दी से अधिक समय तक अस्तित्व में बना रहा। इतना ही नहीं, शकों को परास्त कर उसने उन्हें मध्यभारत में अपनी शक्ति का विस्तार करने से रोक दिया। उसके उत्तराधिकारी भी इस कार्य में सफल हुए। फलतः भारत कुछ समय के लिए विदेशी आक्रांताओं से त्राण पा गया। यूनानियों को सीमावर्ती प्रदेशों से ही संतुष्ट होना पड़ा। यूनानियों और शुंगों में मैत्री की नीति अपनाकर शांतिपूर्ण वातावरण तैयार किया, जिससे "साहित्य, कला और धर्म के क्षेत्रों में गुप्तकाल के समान पुनरुत्थान की लहर-सी आ गई।

शुंगों ने वैदिक धर्म को उसकी खोई हुई प्रतिष्ठा पुनः दिलाई। इस धर्म से यूनानी भी प्रभावित हुए। साहित्यिक क्षेत्र में नई एवं महत्वपूर्ण रचनाएँ हुईं। मनुस्मृति की रचना इसी समय आरंभ हुई, जिसने वैदिक धर्म के अनुरूप समाजों में ब्राह्मणों की श्रेष्ठता एवं वर्णव्यवस्था को दृढ़तापूर्वक स्थापित कर दिया। पतंजलि, जो गोनर्द (विदिशा और उज्जैन के मध्य स्थित) के निवासी थे, ने पाणिनी की अष्टाध्यायी पर अपना महत्वपूर्ण टीका महाभाष्य की रचना की। कला के क्षेत्र में भी शुंगकाल में प्रगति हुई। मौर्यकालीन राजकला के स्थान पर शुंगकालीन लोक-कला का विकास हुआ। भरहुत एवं विदिशा शुंगकालीन कला के लिए विशेष रूप से विख्यात हैं। भरहुत का विश्वविख्यात स्तूप शुंगों की ही देन है। सांची और बोधगया के स्तूपों की वेदिकाएँ भी इसी समय बनाई गई।

विदिशा में कला की एक विशिष्ट शैली का विकास हुआ। आलोचकों ने शुंगकालीन कला की भूरि-भूरि प्रशंसा की है।

"The Sunga art is richer in social content and in the social components of its appeal and patronage. Its direction is more collective than individual and its motive more narrative and representational than Suggestive and Symbolical. While Maurya Art is conscious, courtly and sophisticated, Sunga art is native, popular and perhaps also primitive in a way."

Pankaj
16/09/2020

Scanned with CamScanner